|| <u>थोड़ा थोड़ा सहयोग करो</u> ||

मचा है हाहाकार फिर भी
लोभ सब पर हावी है
पता नहीं कल दुनिया से
किसके जाने की बारी है,
अखबार में फ़ोटो छपे मेरी
मची होड़ इस बात की,
जिसने पानी नहीं पिया हाथों से
बाते करते दिखावे की,
जनता ने जिनको रक्षक माना
उनके ही सामने रो रही,
ना मिटा सके जो घर का अँधेरा
करते हैं बातें बड़ी बड़ी,
अब शर्म करो कुछ काम करो
प्रजा कहती है खरी खरी,
रोते बिलखते दुखी इंसान को
ऑक्सीजन दे दो साँसों की,
कुर्सी के लिए तुम मत लड़ो
ये तो कायम रह जायेगी,
किसी गरीब की निकली साँसे
ना लौट के वापस आएगी,
सुनोगे अगर तुम दुख जनता का
शहंशाह तुम्हें बना देगी,
नहीं सुनी तो प्रजा ही तुमको
मिट्टी में जरूर मिला देगी,
समय अभी भी बचा हुआ है
जिम्मेदारी अपनी समझो,
कोरोना से लड़ाई लड़ने के लिए
सब थोड़ा थोड़ा सहयोग दो,

✍ **गोपाल कृष्ण व्यास**